RNI NO. - DELHIN28802/2017

वर्ष : 5 अंक : 1

भाषा सहोदरी

भाषा सहोदरी हिंदी

विषय-सूची

1.	न्यायालयों में हिंदी कार्यवाई की सार्थकता	चेन्नकेशव रेड्डी, शोधार्थी	9-10
2.	वैश्विक स्तर पर हिन्दी की महत्व	डॉ. अरूण हेरेमत,	11
3.	हिन्दी भाषा की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति	डॉ. टी. सुमती,	12-13
4.	राष्ट्रीय स्वाभिमान हिन्दी	डॉ. ई. सुनीता	14-15
5.	रोजऋगार मूलक हिन्दी - जनसंपर्क अधिकारी	हेमालाता, शोधार्थी,	16-17
6.	सिनेमा या चलचित्र पर एक नज़र	कल्पना दसरी	18-19
7.	संविधान में हिन्दी की स्थिति	के. माधुरी, प्रवक्ता	20
8.	भारतीय संस्कृति की संवाहिका हिंदी	ताल्ला निरंजन,	21-22
9.	हिन्दी मीडिया और वैश्वीकरण	डी. प्रशांत कुमार	23
10.	मराठी सिनेमा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और वर्तमान	एम. रामचन्द्रम	24-25
11.	कार्यालयी हिंदी में मानक भाषा	डॉ. रवी कुमार	26-27
12.	फिल्मी गीतकार के रूप में डॉ. सि. नारायण रेड्डी	ए. शारदा	28-29
13.	हिन्दी भाषा एवं तकनीकी	डॉ. शिवहर बिरादर,	30-31
14.	वैशिक स्तर पर हिन्दी का महत्व	डॉ. के. श्याम सुन्दर, असिस्टेंट प्रोफेसर, (हिन्दी)	32-33
15.	विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी	टी. सुनिता, शोधार्थिनी	34-35
16.	मीडिया, सिनेमा और साहित्यिक संस्कृति से जुड़ा हुआ मसूर रचनाकार डॉ. राही मासूम रजा	तीगला माधवी, पी. एच. डी,	36-37
17.	वैश्विक स्तर पर बढ़ता हिन्दी का वर्चस्व	डॉ. नीलम देवी, सहायक प्रवक्ता	38-39
18.	हिन्दी लाओ देश बचाओ	विशाल के. सी.	40-41
19.	सिनेमा और हिंदी	डॉ. रश्मि नायर	42-43
20.	सिनेमा और हिंदी	लक्ष्मी मुर्गन	44-45
21.	भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में भाषा नीति	डॉ. पद्मजा म. र	46-47
22.	वैश्विक स्तर पर हिंदी का महत्व	डॉ. शोभा. एल असोसिएट प्रोफेसर	48-49
23.	भूमंडलीकरण और हिन्दी पत्रकारिता	रमावत श्रीनिवास नायक	50-51
24.	संविधान में हिंदी की स्थिति	डॉ. माया सगरे-लक्का	52-53
25.	स्वतंत्रोत्तर पत्रकारिता	रेणुका. के, विद्यार्थी,	54-55
26.	मोबाइल पत्रकारिता में भूमंडलीकरण का प्रभाव	डॉ. आदिनारायण बारावत	56-57
27.	साहित्य और सिनेमा	मुकेश उपाध्याय, शोधार्थी	58-59
28.	सिनेमा और हिंदी	दीपक दीक्षित	60-62
29.	हिन्दी अस्तित्व और वास्तविकता	डॉ. शालिनी शुक्ला	63-64

विषय-सूची

1.	न्यायालयों में हिंदी कार्यवाई की सार्थकता	चेन्नकेशव रेड्डी, शेधार्थी	9-10
2.	वैश्विक स्तर पर हिन्दी की महत्व	डॉ. अरूण हेरेमत,	11
3.	हिन्दी भाषा की अंतर्राष्ट्रीय स्थिति	डॉ. टी. सुमती,	12-13
4.	राष्ट्रीय स्वाभिमान हिन्दी	डॉ. ई. सुनीता	14-15
5.	रोजऋगार मूलक हिन्दी - जनसंपर्क अधिकारी	हेमालाता, शोधार्थी,	16-17
6.	सिनेमा या चलचित्र पर एक नज़र	कल्पना दसरी	18-19
7.	संविधान में हिन्दी की स्थिति	के. माधुरी, प्रवक्ता	20
8.	भारतीय संस्कृति की संवाहिका हिंदी	ताल्ला निरंजन,	21-22
9.	हिन्दी मीडिया और वैश्वीकरण	डी. प्रशांत कुमार	23
10.	मराठी सिनेमा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य और वर्तमान	एम. रामचन्द्रम	24-25
11.	कार्यालयी हिंदी में मानक भाषा	डॉ. रवी कुमार	26-27
12.	फिल्मी गीतकार के रूप में डॉ. सि. नारायण रेड्डी	ए. शारदा	28-29
13.	हिन्दी भाषा एवं तकनीकी	डॉ. शिवहर बिरादर,	30-31
14.	वैशिक स्तर पर हिन्दी का महत्व	डॉ. के. श्याम सुन्दर, असिस्टेंट प्रोफेसर, (हिन्दी)	32-33
15.	विज्ञान और तकनीकी क्षेत्र में हिन्दी	टी. सुनिता, शोधार्थिनी	34-35
16.	मीडिया, सिनेमा और साहित्यिक संस्कृति से जुड़ा हुआ मसूर रचनाकार डॉ. राही मासूम रजा	तीगला माधवी, पी. एच. डी,	36-37
17.	वैश्विक स्तर पर बढ़ता हिन्दी का वर्चस्व	डॉ. नीलम देवी, सहायक प्रवक्ता	38-39
18.	हिन्दी लाओ देश बचाओ	विशाल के. सी.	40-41
19.	सिनेमा और हिंदी	डॉ. रश्मि नायर	42-43
20.	सिनेमा और हिंदी	लक्ष्मी मुर्गन	44-45
21.	भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में भाषा नीति	डॉ. पदमाजा म. र	46-47
22.	वैश्विक स्तर पर हिंदी का महत्व	डॉ. शोभा. एल असोसिएट प्रोफेसर	48-49
23.	भूमंडलीकरण और हिन्दी पत्रकारिता	रमावत श्रीनिवास नायक	50-51
24.	संविधान में हिंदी की स्थिति	डॉ. माया सगरे-लक्का	52-53
25.	स्वतंत्रोत्तर पत्रकारिता	रेणुका. के, विद्यार्थी,	54-55
26.	मोबाइल पत्रकारिता में भूमंडलीकरण का प्रभाव	डॉ. आदिनारायण बादावत	56-57
27.	साहित्य और सिनेमा	मुकेश उपाध्याय, शोधार्थी	58-59
28.	सिनेमा और हिंदी	दीपक दीक्षित	60-62
29.	हिन्दी अस्तित्व और वास्तविकता	डॉ. शालिनी शुक्ला	63-64

वैश्विक स्तर पर हिन्दी की महत्त्व

डॉ. अरूण हेरेमत
विभाग अध्यक्षा, एल. वी. डी. कॉलेज, रायपूर, कर्नाटक राज्य,
मो नं: 08277622133

विश्व-भाषा के रूप में हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता, कोरी कल्पना नहीं है, क्योंकि विश्व अब भारत को एक शक्ति के रूप में देखता है। यहाँ के मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति एवं विदेश में बसे नागरिकों की समृद्धि उनके व्यवहार की भाषा को सीधे नज़र अन्दाज़ नहीं किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ में अंग्रेजी व फ्रेंच भाषा में कार्य किया जाता है। इसके प्रमुख संस्थाओं के कार्यालयों में भी कार्य अंग्रेजी व फ्रेंच में होता है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने अंग्रेजी, फ्रेंच, चीनी, रूसी, स्पेनिश व अरबी भाषा को अधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता प्रदान कर रखा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ उसके संकल्प और अन्य कागज़ पत्र सभी भाषाओं में प्रकाशित किये जाते हैं, एवं यदि महासभा चाहे तो अपने कागज़ अन्य भाषाओं में भी प्रकाशित कर सकती है। महासभा की कार्यविधि नियमावली के आठवें भाग में (नियम संख्या 51 से नियम संख्या 57 तक) भाषाओं के सम्बन्ध में व्यवस्था दी गई है।

महासभा के 23वें अधिवेशन में 21-12-1968 को संकल्प संख्या 2479 द्वारा रूसी भाषा को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा स्वीकृत किया गया। महासभा के २८ वें अधिकवेशन दि. 18-12-1973 में संकल्प 2179 द्वारा चीनी भाषा को मान्यता प्रदान की गई। इसी दिन अरबी को भी महासभा द्वारा स्वीकार किया गया था।

महासभा के सभी सदस्यों को एक ही वोट का अधिकार है, चाहे वह संयुक्त राष्ट्र अमेरिका हो या मॉरीशस, भारत को इसके लिए 95 देशों का समर्थन जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र संघ में भाषा के सम्बन्ध में निम्न बातों का महत्व होता है-

1. वह भाषा संसार के कितने देशों की भाषा है।
2. उसके बोलने वालों की संख्या कितनी है।
3. राजनीतिक, आर्थिक, अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध आदि की दृष्टि से उस भाषा का क्या और कितना महत्व है।
4. इस पर कितना खर्च होगा, उसका क्या तथा कैसे व्यवस्था होगी और उसमें सम्बन्धित देशों का कितना योगदान रहेगा। हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ में मान्यता मिलने का प्रश्न सैद्धान्तिक, भावनात्मक तथा तथ्यात्मक दृष्टि से काफी तर्क संगत और उपयुक्त है।

चीनी एक राष्ट्र की भाषा है, उसी तरह हिन्दी भी एक राष्ट्र की भाषा है, अब तक इसके दस विश्व सम्मेलनों का आयोजन विश्व के विभिन्न कोनो में किया जा चुका है। विश्व के १६५ विश्व-विद्यालयों में इसके पठन, पाठन एवं शोध कार्य हो रहा है। इसकी अपनी विशाल शब्द-सम्पदा, वैज्ञानिक स्वर लिपि, सांस्कृतिक व आर्थिक शक्ति के कारण इसे विश्व भाषाओं में विशिष्ट स्थान प्राप्त है।

विश्व हिन्दी सम्मेलनों में पारित प्रस्ताव पर भारत सरकार को कूटनीतिक प्रयास तेज़ करने चाहिए, एवं प्रस्ताव को महासभा में प्रस्तुत करना चाहिए। भारत के इस प्रस्ताव का समर्थन नेपाल, मॉरीशस, सूरीनाम, फिजी, गुयाना, ट्रिनीडाड और दक्षिण अफ्रीका कर सकते हैं। इस विषय पर इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड एवं अन्य मित्र राष्ट्रों की मदद मिल सकती है।

डॉ. जयन्ती प्रसाद नॉटियाल के शोध प्रबन्ध के अनुसार १९९१ की जनसंख्या के आधार पर विश्व भाषाओं में हिन्दी का प्रथम स्थान है, एवं अपनी संस्कृति के विस्तार के लिए १ करोड़ बीस लाख प्रवासी नागरिक विदेशों में हिन्दी का प्रचार कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में श्री अटलबिहारी बाजपेयी, श्री नरसिम्हाराव के भाषण का यांत्रिक अनुवाद की व्यवस्था की गई थी। यदि यह परम्परा बनी रहेगी तो सभी देशों का ध्यान हिन्दी की तरफ होगा। भारत सरकार ने विदेश राज्य मंत्री की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया है। भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद ने 10 देशों में हिन्दी प्रोफेसरों की नियुक्ति की है। इस संस्था के 15 देशों में सांस्कृतिक केन्द्र कार्यस्त है।

दसवीं विश्व हिन्दी सम्मेलन में हिन्दी को विश्व भाषा बनाने के लिए दस प्रस्ताव पास किये हैं। इसमें प्रमुखतया हिन्दी में ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकों का प्रकाशन, कम्प्यूटरों, इन्टरनेट पर हिन्दी की सामग्री की उपलब्धता, हिन्दी सॉफ्टवेयरों का निर्माण, यूनीकोड विकसित करना है। इसके लिए आत्ममंथन और संकल्पबद्ध प्रयास से ही हिन्दी गौरव के साथ संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकारिक भाषा बन सकती है। ❑❑❑

पेश है

एलआईसी की

जीवन शिरोमणि

नान लिंक्ड, लाभ सहित, सीमित प्रीमियम भुगतान, मनी बैक जीवन बीमा प्लान

Plan No. 847 UIN No. 512N315V01

प्रतिबद्धता जीवन के लिए!

15 गम्भीर बीमारियों के अन्तर्निहित लाभ

एक विशिष्ट पॉलिसी - सुरक्षा, बचत, आकर्षक लाभ एवं स्वास्थ्य कवर के साथ।

मुख्य विशेषताएं:

- खास लोगों के लिए प्लान
- आर्कषक उत्तर जीविता लाभ
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारण्टेड लाभ + लॉयल्टी एडीशन (यदि कोई हो)
- गंभीर बीमारी के अन्तर्निहित लाभ, गंभीर बीमारी पर स्वास्थ्य संबंधी द्वितीय राय सुविधा
- वैकल्पिक राईडर–टर्म, गम्भीर बीमारी एवं दुर्घटना लाभ

और भी अन्य विशेषताएं...

विवरण के लिए अपने एजेन्ट/निकटतम एलआईसी शाखा से सम्पर्क करें या अपने शहर का नाम 56767474 पर एसएमएस करें अथवा एलआईसी की वेबसाइट www.licindia.in पर जाये।

नकली फोन कॉल्स और जाली/धोखेधड़ी वाले ऑफर्स से सावधान रहें, आईआरडीएआई जनता को स्पष्ट करता है • आईआरडीएआई या इसके अधिकारी किसी प्रकार के इंश्योरेन्स या फायनान्शियल प्रोडक्ट्स की बिक्री जैसी गतिविधियों में शामिल नहीं होते है और न ही प्रीमियम का निवेश करते हैं • आईआरडीएआई द्वारा किसी बोनस की घोषणा नहीं की जाती है।
अगर किसी को ऐसे कोई फोन कॉल्स प्राप्त हो तो कृपया ऐसे फोन्स कॉल और नंबर के विवरण के साथ पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं।

हमें फॉलो करें: f YouTube LIC India Forever

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

IRDAI Regn No.: 512

बिक्री समापन से पूर्व अधिक जानकारी या जोखिम घटकों, नियम और शर्तों के लिए बिक्री पुस्तिका को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

हर पल आपके साथ

भाषा सहोदरी हिंदी ™

कार्यालय : सी-36 बी, अप्पर ग्राउण्ड, जनता गार्डन
(नजदीक-दिल्ली पुलिस सोसायटी), मयूर विहार-1, नई-दिल्ली-110091

Email : sahodaribhasha@gmail.com Website : bhashasahodarihindi.org